स्कूल लेक्चरर व कोच भर्ती परीक्षा में ग्रुप बी के जीके पेपर में 63 फीसदी उपस्थिति

अभ्यर्थियों को चेकिंग के बाद ही सेंटर पर प्रवेश दिया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित स्कूल लेक्चरर एवं कोच (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के चौथे दिन गुरुवार को ग्रुप बी के परीक्षार्थियों की जीके का पेपर हुआ। निर्धारित समय से एक घंटे पहले अभ्यर्थियों को चेकिंग के बाद ही सेंटर पर प्रवेश दिया गया। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित स्कूल लेक्चरर एवं कोच (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के लिए 15 जिलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए और परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए है। दिव्यांग अभ्यर्थियों की प्रमुखता के साथ चेकिंग कर सेंटर पर प्रवेश दिया गया। गुरुवार को ग्रुपी बी में जीके का पेपर एक ही पारी में आयोजित हुई। जबकि दूसरी पारी में पॉलिटीकल साइंस पेपर द्वितीय का पेपर होना था, लेकिन आरपीएससी आयोग द्वारा इसे स्थगित कर दिया और नई परीक्षा तिथि 6 जुलाई तय की गई है। पेपर के लिए अब नया ग्रुप ई बनाया गया है।

परीक्षा केंद्र पर दिव्यांग के दस्तवेजों की जांच की।

आयोग के सचिव ने बताया कि भर्ती परीक्षा 6 जुलाई तक आयोजित की जानी हैं। 2202 पदों के लिए होने वाली भर्ती के लिए प्रदेश के करीब 6 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किए। परीक्षार्थियों की संख्या के मद्देनजर ही पांच चरणों में परीक्षा आयोजित की जा रही है। गुरुवार को आयोजित ग्रुप बी के जीके की परीक्षा में 1 लाख 93 हजार 603 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड हुए थे, इसमें से 1 लाख 22 हजार 744 शामिल हुए, वहीं 70 हजार 859 अनुपस्थित रहे, परीक्षा में उपस्थिति 63.40 प्रतिशत रही।

परीक्षार्थियों के लिए ड्रेस कोड: आयोग के सचिव ने बताया कि आयोग द्वारा ली जा रही स्कूल लेक्चरर भर्ती परीक्षा के लिए ड्रेस कोड तय किया गया है। परीक्षा में लाख या कांच की पतली चूडियों को छोड़कर किसी भी तरह के जेवरात पहनकर आने की अनुमति नहीं है। घड़ी, धूप का चश्मा, बेल्ट, हैंड बैग, हेयर पिन, ताबीज, कैप, स्कार्फ, स्टॉल, शॉल और मफलर जैसी वस्तुएं भी परीक्षा केंद्र में प्रतिबंधित हैं। इसी प्रकार पुरुष अभ्यर्थियों को हाफ शर्ट, टी शर्ट या कुर्ता, पैंट या पायजामा और स्लीपर पहनकर आना है।

संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ ने संभाला कार्यभार

अजमेर । भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी शक्ति सिंह राठौड़ ने गुरुवार को अजमेर के संभागीय आयुक्त एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रशासक का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया। इससे पूर्व वे उदयपुर में टीएडी आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात उन्होंने विभिन्न विकास योजनाओं एवं जनहितकारी कार्यक्रमों की प्रभावी क्रियान्विति सहित विभिन्न प्राथमिकताओं की जानकारी दी।

राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। अंतिम छोर के व्यक्ति तक इनका लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाएगा, उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों से लाभार्थियों को सीधे लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है, उन्होंने कहा कि मानसून को दृष्टिगत रखते हुए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल निकासी, बाढ़ नियंत्रण एवं जल संसाधनों के रख रखाव के लिए सुदृढ़ प्रबंधन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता देते हुए सभी स्तरों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला, ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर सतत मॉनिटरिंग की जाएगी। राठौड़ ने कहा कि निरंतर निगरानी से सेवा वितरण की गुणवत्ता में सुधार किया जाएगा ।

पेट स्कैन जांच का भुगतान 10.73 करोड़, जबकि ठेका 4 करोड़ का

■ पीबीएम हॉस्पिटल में कैंसर के उपचार और जांच को लेकर अनियमितताओं का खुलासा । पीपीपी मोड पर पेट स्कैन और गामा से कैंसर मरीजों की जांच कर रही फर्म को अतिरिक्त भुगतान करने का मामला सामने आया है।

बीकानेर । पीबीएम हॉस्पिटल में कैंसर के उपचार और जांच को लेकर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। पीपीपी मोड पर पेट स्कैन और गामा से कैंसर मरीजों की जांच कर रही फर्म को 4 करोड़ 73 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान करने का मामला सामने आया है। पीबीएम हॉस्पिटल की मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी के तहत पेट स्कैन और गामा कैमरे से कैंसर के मरीजों की जांच करने का काम पीपीपी मोड पर मैसर्स मॉलीक्यूलर साइंटिफिक कोर हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड को 2023 में दिया गया था। टेंडर की अनुमानित लागत चार करोड़ रुपए रखी गई थी, जबकि फर्म को अब तक 10 करोड़ 73 लाख का भुगतान कर दिया गया है।

आरटीपीपी रूल 73(3) के तहत टेंडर राशि 50 प्रतिशत तक ही बढ़ ने का प्रावधान है। इस हिसाब से भुगतान 6 करोड़ तक ही होना था। फर्म को अब तक 4 करोड़ 73 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान हो चुका है, जो वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है और ऑडिट का पार्ट बनता है। फर्म का अभी 4.50 करोड़ का भुगतान और पेंडिंग है। यानी भुगतान 15 करोड़ से ऊपर जाएगा। दरअसल मामले का खुलासा तब हुआ प्रशासन ने अपनी गलती पर पर्दा डालने के लिए नया टेंडर कॉल करने का प्रस्ताव दो महीने पहले फाइनल कर लिया। इसके लिए उपापन समिति की बैठक 28 अप्रैल को हुई, जिसमें सदस्य सचिव डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा, वरिष्ठ लेखाधिकारी अभिषेक गोयल, कैंसर विशेषज्ञ डॉ. सुरेंद्र बेनिवाल, डॉ. अमित शेखावत, डॉ. मुकेश सिंघल और डॉ. अथिमान एम शामिल हुए। बैठक में पेट स्कैन और गामा की जांच के लिए दो साल का टेंडर करने का निणन्य लिया है, जिसकी अनुमानित लागत 20 करोड़ रुपए रखी गई है। रोचक बात ये है कि इस बैठक से पहले 22 अप्रैल को ही फर्म को लेटर लिखकर कह दिया गया कि उसे अनुमानित लागत से ज्यादा का भुगतान कर दिया गया है। इसलिए आरटीपीपी रूल के तहत नया टेंडर जारी किया जाएगा। तब स्टे के लिए फर्म हाईकोर्ट चली गई। मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी ओर से दिए गए जवाब में स्पष्ट कहा गया है कि निविदा राशि के विरुद्ध भुगतान ज्यादा कर दिया गया है। भास्कर के पास सभी डॉक्यूमेंट मौजूद हैं। पीबीएम हॉस्पिटल के तत्कालीन अधीक्षक डॉ. पीके सैनी ने कैंसर के मरीजों की जांच के लिए 27 जुलाई 23 को गामा कैमरा और पेट स्कैन मशीन का दो साल के लिए टेंडर जारी किया गया था। इसकी अनुमानित लागत चार रोड़ रुपए रखी गई थी। डॉ. सैनी ने 4 अगस्त 23 को ही एक और पत्र जारी कर कार्य अवधि तीन साल कर दी, लेकिन अनुमानित लागत की दर नहीं बढ़ाई। 21 अगस्त को एग्रीमेंट हो गया, जिस पर देवनाराण और गौरी शंकर जोशी ने बतौर गवाह साइन किए। फर्म की कार्य अवधि जुलाई 2026 तक है। दरअसल अनुमानित लागत नहीं बढ़ाकर फर्म को ही अपरोक्ष रूप से लाभ दिया गया था। क्योंकि चार करोड़ की ईएमडी राशि 20 लाख रुपए ही बनती है, जबकि एफडी 12 लाख की ही बताई जा रही है। यदि लागत बढ़ ती तो ईएमडी भी फर्म को ज्यादा जमा करानी पड़ती। इस टेंडर में जीवन रक्षा ने भी भाग लिया था, लेकिन टेक्निकली बाहर होने से काम मैसर्स मॉलीक्यूलर साइंटिफिक को ही मिला। कैंसर मरीजों की पेट स्कैन और गामा की जांच का काम मैसर्स मॉलीक्यूलर साइंटिफिक कोर हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड को 2022 में बिना की टेंडर पीपीपी मोड पर जयपुर से दूरभाष पर मिले दिशा निर्देशों के तहत दे दिया गया। एसपी मेडिकल कॉलेज के तत्कालीन प्रिंसिपल डॉ. मोहम्मद सलीम ने इस संबंध में आदेश जारी किए थे।

करोड़ों खर्च करने के बाद भी ठेकेदार ने मिट्टी में मिला दिया सुभाष उद्यान

अजमेर। नगर के सबसे महत्त्वपूर्ण और जनपयोगी सुभाष उद्यान यानि दौलत बाग के विकास पर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत करोडों रूपए की राशि खर्च की गई, किन्तु इस उद्यान को ठेकेदार की मनमानी व लापरवाही ने मिट्टी में मिला दिया, लेकिन नगर निगम के अफसरों को यह देखने की फुर्सत नहीं है कि किस तरह ठेके की शर्तो का उल्लंघन किया जा रहा है।

पार्षद गजेन्द्र सिंह रलावता ने इस आशय का आरोप लगाते हुए नगर निगम को शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि इसके बाद भी निगम के अधिकारी मौके पर जाकर सुभाष उद्यान की बद्त्तर होते हालत को नहीं देख रहे है। जिन शर्तो पर उद्यान ठेके पर दिया गया था उसका पालन नहीं किया जा रहा है और इस मामले में जुर्माने का प्रावधान है।

उन्होंने विधायक व विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को लक्ष्य करते हुए कहा कि वे सर्किट हाउस पर अक्सर अधिकारियों की बैठक लेते है कभी सुभाष उद्यान जाकर देखें कि वहां की क्या हालत हो गई है। सारे फाउन्टेन बंद है और कीचड फैलने से दुर्गन्ध आ रही है। झूले और एक्साइज के उपकरण टूट चुके है। सुभाष उद्यान में अमरबेल का सम्राज्य फैल चुका है जो जिस पौधे पर फैलती है उसे ही नष्ट कर देती है क्योंकि वह परजीवी है। पार्षद रलावता ने शिकायत में कहा है कि बाहर से उद्यान में जाने वालों पर खाद्य सामठाी अंदर ले जाने पर रोक है किन्तु ठेकेदार की मनमानी से अंदर नमकीन के पाऊच, खाद्य सामठाी सहित अन्य खाने पीने की वस्तुएं बेची जा रही है, जिससे वहां भरमार गंदगी फैली हुई है। इसके अलावा उद्यान में बिजली के तार खुले हुए है जिससे कभी भी हादसा हो सकता है। पार्षद रलावता आरोप है कि सुभाष उद्यान में शराब का इस्तेमाल किए जाता है अपने खास लोगों को यह सुविधा ठेकेदार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। बरसात के दौरान पूरा सुभाष उद्यान कीचड़ व दुर्गन्ध का बाग बन जाता है। नेताजी सुभाष चंद बोस की प्रतिमा की कभी सफाई नहीं होती ।

मेड़ता सिटी में अपराधियों में भय के लिए पुलिस जवानों ने फ्लैग मार्च निकाला

मेड़ता सिटी । मेड़ता पुलिस व सी आर पी के जवानों के साथ मेडता शहर में गुरुवार को फ्लैग मार्च निकला । शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए चारभुजा चौक सहित अन्य मार्गों पर फ्लैग मार्च निकला गया ।

■ जिस शहर में फ्लैग मार्च निकाला जाता है वहां जाकर थाने से अपराधियों की लिस्ट ली जाती है। जिससे भविष्य में किसी अपराधियों द्वारा उपद्रव मचाया जाता है और कोई शांति व्यवस्थाओं को खराब करता है तो पुलिस लिस्ट के अनुसार अपराधियों पर शिंकजा कसती है

मेड़ता डिप्टी राम करण मिलिंडा ने बताया कि मेड़ता पुलिस व सी आर पी के अधिकारी व जवानों के साथ मेड़ता शहर में फ्लैग मार्च निकला गया जिसमें अपराधियों में भय बढ़ता रहे और शहर में शांति व्यवस्था बनी रहे ।

वही सी आर पी के अधिकारी पी बी सिंह ने बताया कि सी आर पी द्वारा जिस शहर में फ्लैग मार्च निकाला जाता है वहां जाकर थाने से अपराधियों की लिस्ट ली जाती है।

शहर में अधिकारियों व जवानों के साथ फ्लैग मार्च निकला जाता है जिससे भविष्य में किसी अपराधियों द्वारा उपद्रव मचाया जाता है और कोई शांति व्यवस्थाओं को खराब करता है तो पुलिस लिस्ट के अनुसार अपराधियों पर शिंकजा कस व्यवस्थाओं को सुधार करने का काम करता हे ।

इस मौके पर मेडता पुलिस थाना अधिकारी धर्मेश दायमा, अनीश खान, अशोक मेघवाल, जगदीश, ओम सिंह, श्रवण सहित पुलिस जवान व सी आर पी जवान मौजूद थे।

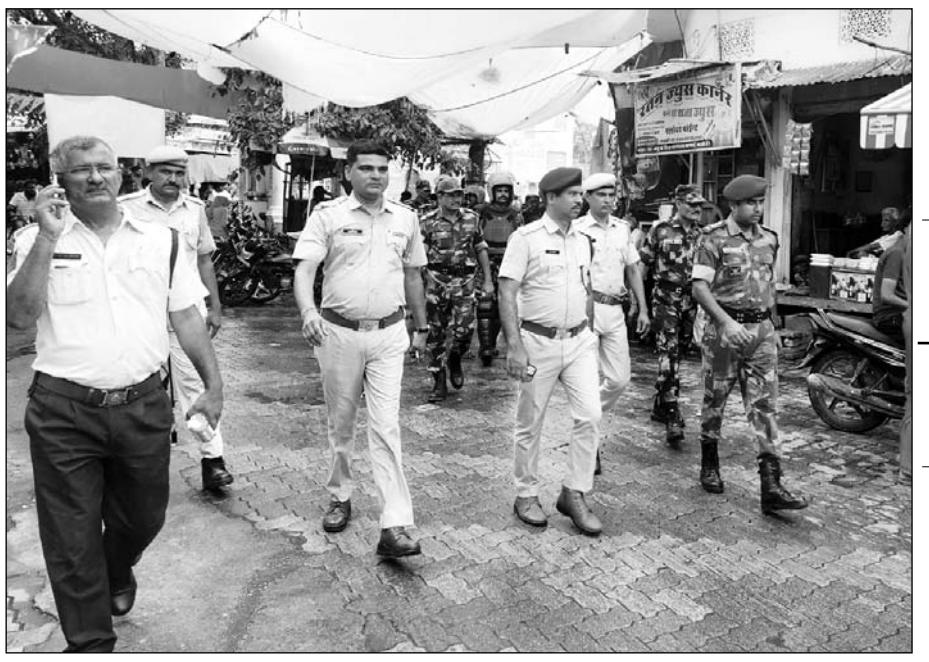

मेड़ता पुलिस व सी आर पी के जवानों के साथ मेडता शहर में गुरुवार को फ्लैग मार्च निकला ।

जमीन से रास्ता नहीं देने पर दो पक्ष भिड़े, छह घायल

अनूपगढ़ । यहां घड़साना में एक पक्ष ने रास्ता लेने के विवाद में दूसरे पर पक्ष पर जानलेवा हमला कर दिया। एक पक्ष के 40-50 लोगों ने मिलकर पड़ोस के खेत मालिक और उसकी पत्नी पर हमला कर दिया।

अचानक हुए हमले के बाद जब अन्य लोग दंपती को छुड़वाने आए तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। जिससे हमले में तीन महिलाओं सहित कुल 6 व्यक्ति घायल हो गए। घटना बुधवार रात करीब 9 बजे गांव 8 आरजेएम की है।

घायल संदीप कुमार ने बताया कि मुख्य आरोपी शंकर मूंदड़ा उनके पड़ोसी तुलसीराम पंडित के खेत में से रास्ता लेना चाहता थे। रात करीब 9 बजे वह अपने पिता काशीराम, माँ कमला देवी और मौसी इंद्रा देवी के साथ अपने खेत मे काम कर रहा था।

उस समय तुलसीराम (75) अपनी पत्नी सावित्री देवी के साथ अपने खेत मे काम कर रहे थे। उसी समय शंकर मूंदड़ा, प्रदीप सहारण, संतराम सहारण, संजय सहारण, प्रेम सहारण लगभग 40-50 अन्य लोगो के साथ गाडि़यों में सवार होकर आए।

हमलावरों ने आते ही गंडासी, रॉड, और लाठी-डंडों से तुलसीराम और उनकी पत्नी पर हमला कर दिया। हमले में तुलसीराम, सावित्री देवी, सन्दीप यादव, काशीराम, कमला देवी और इंद्रा देवी घायल हुए है। तुलसीराम की पत्नी सावित्री की हालत गंभीर होने पर उसे बीकानेर हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया है पुलिस के द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

वहीं सूचना मिलने पर घड़साना पुलिस थाने के कांस्टेबल सीताराम भी टीम के साथ मौके पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

संदीप ने बताया कि गांव में शंकर मूंदड़ा का शराब ठेका है। उसके ठेके के पास वाली जमीन उनकी है और ठेके के सामने तुलसीराम पंडित की जमीन है। तुलसीराम की जमीन के पीछे शंकर मूंदड़ा की जमीन है।

शंकर मूंदड़ा तुलसीराम की जमीन से रास्ता लेना चाहता था, मगर तुलसीराम अपनी जमीन से रास्ता नहीं दे रहा था। इस कारण से दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। घटना के बाद हमलावार मौके से फरार हो गए। घड़साना एसएचओ महावीर ने बताया कि घायलों की रिपोर्ट के आधार में पुलिस के द्वारा मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस के द्वारा उनके ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

अवैध गांजा सहित तीन गिरफ्तार

उदयपुर । जिला स्पेशल टीम ने कोटड़ा एवं माण्डवा थाना पुलिस के साथ कार्यवाही करते हुए अवैध गांजा व शराब सहित वाहन जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपालस्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्र सिंह के सुपरविजन में डीएसटी टीम प्रभारी श्यामसिंह, कोटडा एवं माण्डवा थाना पुलिस ने दो अलग-अलग जगह संयुक्त कार्यवाही करते हुए कोटड़ा थाना क्षैत्र से 25 किलों अवैध गांजा जब्त कर सायबा पुत्र रेशा निवासी डमारिया कोटड़ा से 19 किलों 550 ग्राम व अर्जुनसिंह पुत्र गोपी निवासी जोगीवड़ कोटड़ा से 5.450 किलो गांजा बरामद किया। इसी तरह माण्डवा थाना क्षैत्र में से 11 कर्टन अवैध शराब के जब्त कर जीप वाहन जब्त कर लाडूराराम पुत्र कसना निवासी जोगीवड़ कोटड़ा को गिरफ्तार किया।

वृद्ध दंपत्ति से लूटी गई राशि बरामद

फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर दस दस हजार इनाम की घोषणा

उदयपुर। गोगुन्दा थाना पुलिस ने वृद्ध दंपत्ति से नकदी लूट की वारदात कर खुलासा करते हुए आरोपियों के घर दबीश दे लूट की नकदी बरामद की तथा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर दस दस हजार रूपये इनाम की घोषणा की।

प्रकरण के अनुसार पीडित सेमड़ सायरा निवासी नाथू सिंह (70)पुत्र दुल्हे सिंह व उसकी पत्नी मोहन कुंवर दोनों मंगलवार को एसबीआई बैंक में एक लाख रूपये नकदी निकाल कर अपने साथ लेकर आए 75 हजार रूपये नकदी बैग में रख कर प्रताप चौक स्थित दुकान पर खरीददारी करने पहुंचे।

जहां अपना नकदी से भरा बैग रख कर खरीददारी कर रहे थे। कुछ ही देर बाद रूपये देने के लिए बैग देखा तो मौके पर नहीं मिला। जिसे अज्ञात चोर चुरा ले गया। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। बैंक से नकदी निकालने पहुंचें दंपत्ति के पिछे दो बदमाशों ने निगाह रखना शुरू किया।

एक बदमाश बाहर खड़ा था एवं दूसरा बैंक में था। जहां से पिछा करते बदमाश दुकान तक पहुंचे। जहां मौका मिलते हीं नकदी से भरा बैग लेकर फरार हो गए। जिसमें नकदी के अलावा दस्तावेज थे।

इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह राठौड़ के सुपरविजन में गोगुनदा थानाधिकारी श्यामसिंह के नेतृतव में एएसआई विनेश कुमार मय टीम ने मामले में अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर 400 किमी पीछा कर बोड़ा थाना जिला राजगढ एमपी के सहयोग से आरोपियों की तलाश कर उसके मकान आरोपी नकुल पुत्र राज कुमार सांसी के घर की तलाशी लेकर 1 लाख 40 हजार रूपये नकदी बरामद की।

पुलिस ने आरोपी नकुल सांसी व कोहिनूर सांसी को नामजद कर गिरफ्तारी के लिए दस दस हजार रूपये इनाम की घोषणा की। नकुल के खिलाफ 7 एवं कोहिनूर के खिलाफ 6 अपराधिक प्रकरण राजस्थान, एमपी व गुजरात में दर्ज है।

परिजनों से छुपकर तुलसी माला बनाना सीखा, आर्थिक स्थिति सशक्त हुई

भरतपुर (निस)। महिलाएं यदि ठान लें, तो क्या कुछ नहीं कर सकतीं. ऐसे में आज हम आपको ऐसी ही एक भरतपुर की महिला ओमवती के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 23 साल पहले एक एक रुपए के लिए मोहताज थी.उन्होंने परिजनों से छुपकर तुलसी माला बनाना सीखा. तुलसी माला के कारोबार से न केवल अपने जीवन को बदला, बल्कि वे आर्थिक रूप से भी सशक्त हुई हैं। इस कारोबार ने उन्हें घर बैठे रोजगार प्रदान किया है. ओमवती की कहानी एक प्रेरणादायक उदाहरण है जिसमें उन्होंने अपने जीवन को बदलने के लिए तुलसी माला बनाने का काम सीखा और आज वह न केवल आत्मनिर्भर हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी प्रशिक्षण देकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

भरतपुर की महिला ओमवती आज सशक्त स्थिति में है।

■ 1 किलो तुलसी की लकड़ी से भजन करने की माला 20 बन जाती है

नदबई के बैलारा गांव निवासी महिला ओमवती ने बताया कि उनका बेटा मोनू 23 साल पहले मथुरा के जैत से तुलसी की माला बनाने के काम सीख कर आया था.उसके बाद वह घर से ही काम करने लगा.घर पर रखी मशीन को देख मेरे मन में काम करने की इच्छा हुई मैने बेटे से काम सिखाने की कहा लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया.जब बेटा काम करता था तो में उसे ध्यान से देखती थी और पीछे से मशीन को चलाकर माला बनाना सीखती थी.एक माह में बिना किसी प्रशिक्षण के तुलसी की माला बनाना सीख गई.लेकिन अब कच्चा माल और औजार की आवश्यकता थी लेकिन पैसा था नहीं तो जैसे तैसे परिजनों से छुपकर औजार और अरहर की लकडी मंगाई उनसे पहली माला बनाई और बाजार में जब तैयार माला को बेचा गया तो 400 रुपए मिले. उन लोगों को देखते ही हमारे मन में और काम के प्रति जिज्ञासा बड़ी क्योंकि हमारी आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी हम लोग एक-एक रुपए के लिए तंग थे. उसके बाद हमने पीछे मुड़कर नहीं देखा दिन रात तुलसी की माला बनाने का काम किया तो अब हम लोग इतने मजबूत हो गए हैं की प्रतिमाह 25 से 30 हजार रुपए कमा रहे हैं.

उनके द्वारा सिर्फ खुद की कहानी नहीं बल्कि अन्य महिलाओं की भी स्थिति में सुधार किया है उनके द्वारा राजस्थान मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश गुजरात हरियाणा महाराष्ट्र उड़ीसा कोलकाता में महिलाओं को संस्था के माध्यम से प्रशिक्षण दिया है जिससे वह आत्मनिर्भर बनकर अपना जीवन यापन कर सकें. उनके काम को चलते कही संस्था और दिल्ली आईआईटी से भी उन्हें तुलसी माला बनाने की मशीन गिफ्ट दी गई। वह कच्चा माल उत्तर प्रदेश के मथुरा के जैत गांव से लाते हैं. तुलसी की तीन चार प्रकार की लकड़ी आती है जिनकी कीमत 200 रू से लेकर के 350 होती है 1 किलो तुलसी की लकड़ी से भजन करने की माला 20, गर्दन में डालने वाली 30 से लेकर 80 माला बनकर तैयार होती है ।

उन्होंने कहा है कि मेरे घर के आसपास कहीं ऐसी महिला थी जिनके पति शराब पीते थे उन्हें मैं काम सिखाया और आज वह है आत्मनिर्भर बन चुकी है मैं अन्य महिलाओं से भी अपील करना चाहती हूं जो काम करना चाहती है वह बेझिझक मेरे पास आकर प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी सफलता की कहानी लिख सकती है।

महिला की चेन तोड़कर दो बाइक सवार फरार

अजमेर। अलवरगेट थाना इलाके में गुरूवार को सब्जी खरीदती महिला की सोने की चेन को झपट्टा मार कर तोडने के बाद बाइक सवार दो युवक फरार हो गए। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माधव कालोनी जेपी नगर मदार में गुरूवार को सुबह करीब दस बजे मंजीत मेघवाल घर के बाहर खडे टेम्पो से सब्जी खरीद रही थी। इसी बीच दो बाइक सवार युवक वहां पहुंचे और बाइक पर पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मार कर पीछे से महिला की सोने की चेन तोडकर तेज रफ्तार से फरार हो गए।

महिला चिल्लाई जब तक लोग एकत्रित हुए तो आरोपी आंखों से ओझल हो चुके थे। मंजीत ने बताया कि आरोपी युवक काले रंग की स्पेलन्डर बाइक पर सवार थे, जिस पर नम्बर नहीं था। पीछे वाले युवक ने कपडे से मुंह ढक रखा था, जबकि आगे वाला सांवले रंग का दाढी वाला युवक था। महिला के अनुसार चेन की कीमत एक लाख रूपए से अधिक थी।

सामने लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात रिकार्ड हुई है। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी युवकों की तलाश शुरू कर दी है।

पूर्व आयुक्त के खिलाफ जांच के आदेश

अजमेर। केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने नगर निगम के पूर्व आयुक्त सुशील कुमार यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत के तहत एफआईआर दर्ज करके राज्य के मुख्य सचिव को जांच के आदेश दिए है। वे पूर्व में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के सीईओ भी रह चुके है और वर्तमान में बालोतरा में जिला कलेक्टर के पद पर नियुक्त है।

इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्त्ता अशोक मलिक ने एक मई 2025 को केन्द्रीय सतर्कता आयोग के समक्ष याचिका पेश की थी। जिसमें नगर निगम के पूर्व आयुक्त सुशील कुमार यादव पर भ्रष्टाचार करके आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया गया है। आयोग ने याचिका के दस्तावेजों की प्रारंभिक तौर पर जांच करके 29 मई को एफआईआर दर्ज करने के बाद राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांशु पंत को जांच करने के आदेश दिए है।

उल्लेखनीय है कि पूर्व आयुक्त सुशील कुमार ने अजमेर निगम में अपने कार्यकाल के दौरान अशोक मलिक एवं उनके पुत्र के विरूद्ध एक मामले में मुकदमा दर्ज कराया था, जिसके फलस्वरूप दोनों को कुछ दिनो जेल में भी रहना पडा था। केन्द्रीय सतर्कता आयोग को दी गई शिकायत में बताया गया है कि पूर्व आयुक्त सुशील कुमार अगस्त 2023 में नगर निगम में तैनात थे और इसी बीच स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के सीईओ का कामकाज भी देख रहे थे। उन्होंने जयपुर में वाटिका नामक भूखंड एजेन्सी से पांच सौ 27 गज के नाप का प्लाट खरीदा। जिसकी कीमत 38.82.67 लाख रूपए प्रदर्शित करते हुए दस्तावेज तैयार कराए गए है।

मलिक ने केन्द्रीय सतर्कता आयोग को बताया है कि वाटिका की वेबसाइट पर भूखंड की कीमत 42 हजार पांच सौ रूपए प्रतिगज दर्शायी गई है। इसके अलावा जेएडी और जयपुर आवासन मंडल की रिजर्व रेट बीस हजार रूपए प्रति वर्ग गज है।

इस हिसाब देखा जाए तो पूर्व आयुक्त सुशील कुमार ने जो प्लाट खरीदा है उसकी कीमत एक करोड से दो करोड रूपए के बीच है, लेकिन उन्होंने अपनी आय से अधिक संपत्ति को छिपाते हुए कम लागत के दस्तावेज तैयार कराए है ओर इसमें प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए पद का दुरूपयोग किया है।